## खबर संक्षेप

### मेधावी छात्र मोहित ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

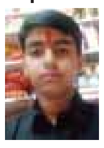

**शहडोल।** जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बाणसागर के छात्र मोहित कचेर ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा दसवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया है। मोहित ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से 82 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित की है। मोहित दीनदयाल कचेर (लल्लू कचेर) एवं श्रीमती पूजा कचेर के सुपुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय के शिक्षकों और परिजनों में हर्ष व्याप्त है। मोहित ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद और गुरुजनों के कुशल मार्गदर्शन को दिया है। ग्रामीण क्षेत्र की इस प्रतिभा की सराहना करते हुए क्षेत्रवासियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की है।

### ब्योहारी की बिटिया आराध्या ने किया कमाल

**शहडोल।** माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणामों में ब्यौहारी नगर की बेटियों ने एक बार फिर अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। इसी कड़ी में भारतीयम स्कूल की छात्रा आराध्या तिवारी ने 500 में से 483 अंक प्राप्त कर समूचे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। आराध्या, सिद्धार्थ तिवारी एवं श्रीमती श्वेता तिवारी की सुपुत्री तथा प्रतिष्ठित तिवारी परिवार की लाड़ली नातिन हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर पिता सिद्धार्थ तिवारी ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपनी बेटी के परिश्रम पर गर्व है। आराध्या की सफलता की सूचना मिलते ही परिजनों ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई। मेधावी छात्रा ने अपनी इस उपलब्धि से नगर और विद्यालय का मान बढ़ाया है, जिसके लिए क्षेत्रवासियों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

### शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाला गिरफ्तार

**शहडोल।** शादी का सब्जबाग दिखाकर बेटियों की अस्मत से खिलवाड़ करने वाले के खिलाफ पुलिस ने सख्त तेवर अख्तियार कर लिए हैं। जिले के महिला थाना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक ऐसे ही जालसाज को दबोचा है, जिसने चार साल तक एक युवती को शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया और फिर मुकर गया।

**फाइनेंस के काम की आड़ में बुना फरेब का जाल-** मामला वर्ष 2021 से शुरू हुआ था। आरोपी कमलेश रैकवार, निवासी ग्राम पटेरिया (दमोह), ईशाब बैंक में माइक्रो फाइनेंस का काम करता था। इसी काम के सिलसिले में उसका पीड़ित युवती के घर आना-जाना शुरू हुआ। मीठी बातों और शादी के झूठे वादों में फंसाकर आरोपी ने वर्ष 2022 से युवती का दैहिक शोषण शुरू कर दिया। इस दौरान आरोपी का स्थानांतरण सिहोरा और भिटौनी (जबलपुर) भी हुआ, लेकिन वासना की भूख उसे बार-बार शहडोल खींच लाती थी।

**नवरात्रि के पावन पर्व पर किया खंडित विश्वास-** हैरानी और आक्रोश की बात यह है कि बीते 28 मार्च 2026 को, जब पूरा देश शक्ति की उपासना (नवरात्रि) में लीन था, तब यह आरोपी पीड़िता के घर पहुंचा और उसके साथ दुष्कर्म किया। पाप का घड़ा तब भरा जब पीड़िता ने आरोपी के मोबाइल में किसी दूसरी लडक़ी की तस्वीर देखी। जब शादी का दबाव बनाया गया, तो आशिक का नकाब उतर गया और उसने साफ इनकार कर दिया।

**घेराबंदी कर दबोचा गया आरोपी-** पीड़िता की ढाल बनते हुए महिला थाना प्रभारी निरीक्षक आर.के. गयाग्वाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मोर्चा संभाला। भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने जाल बिछाया। 17 अप्रैल को पुलिस ने त्वरित दबिश देकर आरोपी कमलेश रैकवार को दबोच लिया। शनिवार को आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

## पी.के.श्रीवास्तव पर ठेका हथियाने और खेल कराने के आरोप

# कोल इंडिया की जमीन पर 83 लाख की होली!

### अतिक्रमणकारियों को शेड-टाइल्स की सौगात

### नगर पालिका और कोल प्रबंधन की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

धनपुरी में कोल इंडिया की स्वामित्व भूमि पर नगरपालिका द्वारा 83 लाख रुपये के निर्माण कार्य ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। पूर्व कर्मचारी बताए जा रहे पी.के.श्रीवास्तव पर अधिकारियों को मैनेज कर ठेका लेने के आरोप लग रहे हैं। अतिक्रमणकारियों को हटाने के बजाय उन्हें शेड, टाइल्स और सुविधाएं देने से जनाक्रोश बढ़ गया है।

धनपुरी।

नगर पालिका क्षेत्र में कोल इंडिया की स्वामित्व भूमि पर 83 लाख रुपये के निर्माण कार्य ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली, ठेका व्यवस्था और सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। मामला स्टेट बैंक शाखा धनपुरी के सामने स्थित पुराने शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का है, जहां वर्षों से चले आ रहे अतिक्रमण को हटाने के बजाय अब अतिक्रमणकारियों को महंगे शेड, टाइल्स और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्थानीय नागरिकों के अनुसार यह वही भूखंड है जहां दशकों पहले सोहागपुर एरिया प्रबंधन ने लगभग 20 दुकानों वाला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया था। इनमें से अधिकांश दुकानें आज बंद पड़ी हैं, जबकि संचालित दुकानों से न किराया वसूला जा रहा है और न ही बिजली बिल जमा हो रहा है। इसके बावजूद प्रशासन की नजर अवैध कब्जाधारियों पर मेहरबान दिखाई दे रही है।

अब इसी क्षेत्र में 83 लाख रुपये की लागत से नया निर्माण कार्य कराया जा रहा है। दुकानों के सामने शेड लगाए जा रहे हैं, महंगी टाइल्स बिछाई जा रही हैं, पौधरोपण और बैठने-टहलने की व्यवस्था की जा रही है। इतना ही नहीं, पहले से बने फव्वारे को तोडक़र नया आधुनिक फव्वारा लगाने की तैयारी है। सवाल यह है कि जब क्षेत्र पहले से विकसित था तो, फिर जनता के पैसे से यह नया सौंदर्यीकरण आखिर किसके हित में किया जा रहा है?

सबसे गंभीर आरोप उस व्यक्ति को लेकर हैं, जिसे स्थानीय लोग पी.के.श्रीवास्तव के नाम से जानते हैं। बताया जा रहा है कि वह पहले कोल इंडिया क्षेत्र में पदस्थ रह चुका है और अब ठेकेदारी के काम में सक्रिय है। चर्चा है कि इसी प्रभाव और पुराने संपर्कों का उपयोग कर उसने यह बड़ा ठेका हथिया लिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उसने खुले तौर पर दावा किया था कि वह कोल इंडिया के अधिकारियों को मैनेज कर लेगा और निर्माण कार्य में कोई बाधा नहीं आने देगा।

यह आरोप इसलिए भी गंभीर हो जाते हैं क्योंकि कुछ समय पहले कोल इंडिया के अधिकारियों ने इसी निर्माण कार्य को यह कहते हुए रुकवा दिया था कि संबंधित भूमि कंपनी की स्वामित्व भूमि है और बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र किसी भी निर्माण की अनुमति नहीं दी जा सकती। यदि ऐसा था तो फिर वही कार्य दोबारा कैसे शुरू हो गया? किसके आदेश पर मशीनें फिर पहुंचीं? किसके संरक्षण में निर्माण दोबारा चालू हुआ।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि यह पूरा खेल अतिक्रमणकारियों को स्थायी सुविधा देने के लिए रचा गया है। जिन दुकानों का अस्तित्व ही अवैध कब्जे पर टिका है, उन्हीं दुकानों के सामने शेड और टाइल्स लगाकर उन्हें वैधता का आभास दिया जा रहा है। जिन्हें हटाया जाना चाहिए था, उन्हें सरकारी खर्च पर सुविधा दी जा रही है। नगरपालिका की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। आखिर किस नक्शे, किस भू-अभिलेख और किस स्वामित्व प्रमाण के आधार पर तकनीकी स्वीकृति दी गई? क्या नगरपालिका ने यह जांचा कि भूमि वास्तव में किसकी है? यदि भूमि कोल इंडिया की है तो बिना एनओसी टेंडर कैसे जारी हुआ? यदि भूमि नगरपालिका की है तो फिर पहले निर्माण रुकवाया क्यों गया?

कोल इंडिया के स्थानीय प्रबंधन पर भी सवाल कम नहीं हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक, सिविल विभाग, सुरक्षा शाखा और वरिष्ठ अधिकारियों की जानकारी के बिना कंपनी भूमि पर करोड़ों के आसपास का निर्माण कार्य संभव नहीं माना जा सकता। यदि अधिकारियों ने पहले रोक लगाई थी तो अब चुप्पी क्यों है? क्या यह मौन सहमति है या दबाव का परिणाम? जनता के बीच यह चर्चा भी तेज है कि एक पूर्व कर्मचारी अब ठेकेदार बनकर उसी संस्था की जमीन पर काम करा रहा है, जहां वह पहले सेवा दे चुका है। यदि यह सच है तो हितों के टकराव और प्रभाव के दुरुपयोग की जांच आवश्यक है।

धनपुरी के नागरिकों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, निर्माण कार्य पर तत्काल रोक, टेंडर प्रक्रिया की समीक्षा और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि विकास के नाम पर यदि सरकारी जमीन पर कब्जाधारियों को इनाम दिया जाएगा, तो यह ईमानदार करदाताओं और कानून का खुला अपमान होगा। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या 83 लाख रुपये का यह खर्च जनहित में है या फिर यह कुछ लोगों की मिलीभगत से खेली जा रही विकास की होली है?

## खनिज माफिया पर प्रशासन का चाबुक बोल्डर और रेत के अवैध खेल में दो वाहन दबोचे

शहडोल।

जिले में प्राकृतिक संपदा को लूटने वाले सफेदपोश माफियाओं के विरुद्ध जिला प्रशासन ने अब सीधे युद्ध का ऐलान कर दिया है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के कड़े तेवरों और खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य की रणनीति ने जिले के अवैध उत्खनन कर्ताओं की रातों की नींद उड़ा दी है। शुक्रवार को सोहागपुर तहसील के कल्याणपुर और विचारपुर क्षेत्रों में खनिज विभाग की टीम ने सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए अवैध बोल्डर और रेत के परिवहन में लगे दो भारी वाहनों को रंगे हाथों पकडक़र जब्त कर लिया। प्रशासन की इस आक्रामक कार्रवाई से भू-माफियाओं के बीच हडक़ंप मच गया है।

**खनिज अमले की औचक दबिश -** लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि सोहागपुर के ग्रामीण अंचलों में सरकारी खजाने को चूना लगाकर अवैध उत्खनन का काला धंधा फल-फूल रहा है। इन सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी खनि निरीक्षक श्यामलाल गुप्ता ने अपनी टीम के साथ मोर्चा संभाला। विभागीय टीम ने बिना किसी पूर्व सूचना के सोहागपुर के कल्याणपुर और विचारपुर में धावा बोला।

**दस्तावेज नहीं दिखा सके चालक -** पहली बड़ी कार्रवाई दोपहर करीब 2:50 बजे कल्याणपुर में हुई, जहां पत्थर (बोल्डर) से लदे 10 चक्का विशालकाय हाईवा (वाहन क्रमांक एमपी 18 एच 5414) को घेराबंदी कर रोका गया। चालक के पास न तो रॉयल्टी की रसीद थी और न ही परिवहन का कोई वैध परमिट था। खनिज विभाग ने तत्काल इस सडक़ के लुटेरे को जब्त कर कोतवाली थाने की अभिरक्षा में सुपुर्द कर दिया। वहीं, दूसरी कार्रवाई शाम 4 बजे विचारपुर में हुई, जहां रेत का अवैध परिवहन कर रही एक मेटाडोर (वाहन क्रमांक एमपी 18 जेडएफ 6617) को विभागीय टीम ने दबोचा। यहां भी रेत माफिया के गुर्गे कोई वैधानिक कागजात पेश करने में नाकाम रहे। इस वाहन को जब्त कर सिंहपुर थाने की सुरक्षा में खड़ा करा दिया गया है।

**कलेक्टर न्यायालय में होगी पेशी-** खनिज विभाग ने साफ कर दिया है कि दोषियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कठोर प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय में पेश किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि राजस्व की चोरी और पर्यावरण से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन की इस कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि अब केवल कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि धरातल पर प्रहार होगा। जिला प्रशासन ने आम जनमानस से भी अपील की है कि वे इस खनिज डकैती के विरुद्ध जागरूक बनें और अवैध कार्यों की सूचना तत्काल दें।

### बिलासपुर में सवा करोड़ का गांजा बरामद, शहडोल के तस्कर ने उगले राज!

# नशा माफिया का गढ़ बना बुढार

शहडोल।

जिले का बुढार कस्बा एक बार फिर अंतरराज्यीय नशा तस्करी के केन्द्र के रूप में उभरकर सामने आया है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हुई एक बड़ी कार्रवाई ने यह साबित कर दिया है कि बुढार से संचालित होने वाले गांजा माफिया की जड़ें उड़ीसा से लेकर उत्तर प्रदेश तक कितनी गहरी फैली हुई हैं। बिलासपुर पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर 245 किलो गांजा जब्त किया है, जिसकी बाजार में कीमत 1.22 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। इस काले धंधे में बुढार के एक तस्कर की गिरफ्तारी ने जिले के पुलिसिया तंत्र पर भी सवालिया निशान लगा दिए हैं।

### कार से निकली मौत की खेप

बिलासपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि उड़ीसा और छत्तीसगढ़ के रास्ते मौत का सामान (गांजा) मध्य प्रदेश की ओर जा रहा है। रतनपुर क्षेत्र के भेड़ीमुड़ा में जब पुलिस ने संदिग्ध कार को रोकने की कोशिश की, तो तस्करों ने भागने का दुस्साहस किया। दो टीमों ने पीछा किया, जिसके बाद अनियंत्रित होकर कार रुक गई। मौके से बुढार निवासी अमित कुमार केवट को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। कार की तलाशी लेने पर काले शीशों के पीछे छिपाकर रखे गए गांजे के ढेर देखकर पुलिस भी दंग रह गई।

### माफियाओं की सुरक्षित शरणस्थली

यह कोई पहला मामला नहीं है जब किसी बड़े तस्करी नेटवर्क के तार बुढार से जुड़े मिले हों। क्षेत्र में चर्चा है कि यहां कई सफेदपोश पर्दे के पीछे बैठकर करोड़ों का यह काला खेल चला रहे हैं। रोहित शर्मा जैसे कई पुराने नामों के नेटवर्क आज भी नए चेहरों के माध्यम से सक्रिय हैं। ये माफिया खुद सामने आने के बजाय स्थानीय युवाओं और ड्राइवरों को मोटी रकम का लालच देकर उन्हें अपराध के दलदल में धकेल रहे हैं।

### ट्रांजिट कॉरिडोर बना शहडोल संभाग

शहडोल, अनूपपुर और उमरिया जिलों की सीमाएं छत्तीसगढ़ से लगी होने का फायदा तस्कर बखूबी उठा रहे हैं। उड़ीसा से आने वाला गांजा इन जिलों के रास्ते उत्तर प्रदेश और राजस्थान तक सप्लाई किया जा रहा है। हाल ही में जयसिंहनगर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई ने भी इस कॉरिडोर का खुलासा किया था।

### असली वजीर कब पकड़े जाएंगे

जनता के बीच अब यह बड़ा सवाल तैर रहा है कि आखिर कब तक केवल अमित केवट जैसे प्यादे ही पकड़े जाएंगे? वे असली सरगना, जो एसी कमरों में बैठकर यह नेटवर्क चला रहे हैं और जिनकी संपत्तियां रातों-रात बेहिसाब बढ़ गई हैं, उन पर प्रशासन का हंटर कब चलेगा, यदि पुलिस इन माफियाओं के आर्थिक स्त्रोतों और संदिग्ध संपर्कों की सूक्ष्मता से जांच करे, तो बुढार के कई बड़े चेहरों के नकाब उतर सकते हैं। बिलासपुर पुलिस की इस कार्रवाई ने शहडोल पुलिस को भी एक बड़ा क्लू दिया है। अब देखना यह है कि स्थानीय पुलिस इस नेटवर्क को जड़ से उखाड़ती है या फिर यह सिलसिला यूं ही बदस्तूर जारी रहेगा।

## नशे के सौदागरों पर जयसिंहनगर पुलिस का वज्रपात प्रयागराज से शहडोल आ रही मौत की खेप पकड़ी

### महिला सहित चार तस्कर गिरफ्तार

शहडोल। ‹

जिले की युवा पीढ़ी की रगों में जहर घोलने वाले नशा माफियाओं के विरुद्ध जयसिंहनगर पुलिस ने एक बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस ने बस स्टैंड पर घेराबंदी कर रीवा की ओर से आ रही एक यात्री बस से भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ स्मैक (हेरोइन) बरामद की है। इस कार्रवाई में पुलिस ने न केवल माल ढोने वाले कूरियर बल्कि पर्दे के पीछे बैठकर इस काले धंधे को संचालित करने वाले मुख्य सरगनाओं को भी सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

### प्रयागराज कनेक्शन का पर्दाफाश

पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में जो खुलासे किए, उसने पुलिस को भी चौंका दिया। यह नशे की खेप उत्तर प्रदेश के प्रयागराज (इलाहाबाद) से लाई जा रही थी। तस्करों ने कबूल किया कि वे शहडोल के कुख्यात पुन्नू उर्फ मुन्नू गर्ग और शुभम बत्रा के इशारे पर काम कर रहे थे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए षड्यंत्र रचने वाले इन दोनों मुख्य आरोपियों को भी दबोच लिया है।

### रंगे हाथों धराए तस्कर

मुखबिर की सटीक सूचना पर जयसिंहनगर थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार ने तत्काल टीम गठित कर बस स्टैंड पर मोर्चा संभाला। शाम करीब 4 बजे जैसे ही दीपक बस क्रमांक एमपी 17 पी 5255 रुकी, पुलिस ने सघन तलाशी शुरू की। बस की बीच वाली सीट पर बैठे आरती सेन और किशन भारती पुलिस को देखते ही सकपका गए। जब इनकी तलाशी ली गई, तो उनके पास से लगभग 12.98 ग्राम शुद्ध स्मैक बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत हजारों में आंकी जा रही है।

### अब जेल में कटेगी रातें

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्मैक के अलावा मोबाइल फोन और नकदी सहित कुल 42,750 रुपये का मशरुका जब्त किया है। सभी चार आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 21 और 29 के तहत संगीन मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। इस कार्यवाही में उनि जीवन सिंह, सउनि प्रमोद कुमार, प्रआर रूस्तम और महिला आरक्षक खुशबू लोधी की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि जिले में नशे का कारोबार करने वालों के लिए अब कोई जगह नहीं है।

## व्यवस्था की सुस्ती ने ली जान दो घंटे तक केबिन में तड़पता रहा चालक

### मसीहा बनने के बजाय मूकदर्शक बनी रही खाकी

शहडोल।

जिले के ब्योहारी और जयसिंहनगर की सरहद पर स्थित जोरा विजहा के पास बीती रात जो कुछ हुआ, उसने न केवल पुलिसिया मुस्तैदी की पोल खोल दी है, बल्कि रेस्क्यू की लचर व्यवस्था पर भी खून के आंसू रुला दिए हैं। एक भीषण सडक़ हादसे में सीमेंट से लदा ट्रक पेड़ से क्या टकराया, चालक के लिए वही पेड़ उसकी कब्रगाह बन गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का केबिन मलबे में तब्दील हो गया और चालक राम मित्र उम्र 31 वर्ष उसमें फंसकर जिंदगी की भीख मांगता रहा।

### सांसें चल रही थीं, पर सिस्टम सो रहा था

हादसा शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात हुआ। सूचना मिलते ही दोनों थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। चालक केबिन में फंसा था, उसकी धडक़नें चल रही थीं, वह चीख रहा था, लेकिन पुलिस के पास उसे बाहर निकालने के लिए एक अदद कटर तक मौजूद नहीं था। पुलिस के जवान मौके पर खड़े होकर तमाशा देखते रहे और संसाधनों का रोना रोते रहे।

### दो घंटे की देरी और बुझ गया घर का चिराग

हैरानी की बात यह है कि इस हाई-टेक जमाने में प्रशासन को एक जेसीबी मशीन बुलाने में दो घंटे लग गए। दो घंटे तक घायल चालक राम मित्र मौत से जंग लड़ता रहा, लेकिन संसाधनों के अभाव में रेस्क्यू ऑपरेशन रेंगता रहा। जब अंततः जेसीबी पहुंची और केबिन को चीरा गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चालक की सांसें थम चुकी थीं। सवाल यह उठता है कि क्या ब्योहारी और जयसिंहनगर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आपातकालीन स्थिति के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं।

### मौत का जिम्मेदार कौन

हादसे तो सडक़ों पर होते रहते हैं, लेकिन यह हादसा नहीं, बल्कि प्रशासनिक हत्या है। अगर समय पर जेसीबी या हाइड्रोलिक कटर मिल जाता, तो नकुनी निवासी राम मित्र आज अपने परिवार के बीच होता। पुलिस ने शनिवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कराकर मर्ग कायम कर लिया है, लेकिन क्या महकमे के पास इस बात का जवाब है कि दो घंटे तक चालक को तड़पने के लिए क्यों छोड़ दिया गया? यह घटना एक चेतावनी है कि यदि सडक़ों पर सुरक्षा और रेस्क्यू के यही हाल रहे, तो आम आदमी की जान की कीमत केवल एक मर्ग और पोस्टमार्टम तक ही सीमित रह जाएगी।

# कलेक्टर की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस संपन्न

## स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार को सर्वोच्च प्राथमिकताः कलेक्टर

**उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों की योजनाओं, विकास कार्यों तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा की गई।**

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कलेक्टर ने बताया कि जिले में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के साथ आमजन तक पहुंचाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि विशेष रूप से शिक्षा,स्वास्थ्य,सडक़ निर्माण एवं पेयजल व्यवस्थाओं में तेजी लाना प्रशासन की पहली प्राथमिकता होगी।उन्होंने मीडिया कर्मियों से कहा कि उमरिया जिला हम सभी का है तथा जिले को बेहतर बनाने में मीडियाकर्मियों का सहयोग आवश्यक होगा।शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक प्रत्येक व्यक्ति को मिले,यह सुनिश्चित किया जा जाएगा। कलेक्टर ने मीडिया कर्मियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे सटीक एवं तथ्यात्मक समाचारों का प्रकाशन करें तथा भ्रामक खबरों से बचें। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया द्वारा शासन तक पहुंचाई गई जानकारी पर निश्चित रूप से कार्यवाही की जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया कर्मियों ने विभिन्न मुद्दों पर प्रश्न पूछे,जिनका कलेक्टर ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर जिला जनसंपर्क अधिकारी अरुणेंद्र सिंह सहित अन्य मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# जनगणना प्रशिक्षण में महिलाओं के लिए की गई विशेष व्यवस्था

**उमरिया।** भारत की जनगणना 2027 का कार्य जनगणना निदेशालय, भारत सरकार नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के तहत तीन चरणों में संपन्न किया जाना है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण, द्वितीय चरण में ग्राम रजिस्टर तैयार करना तथा तृतीय चरण में फरवरी 2027 तक जनगणना का कार्य पूरा किया जाएगा। मानपुर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में इन तीनों चरणों के लिए प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। प्रशिक्षण के प्रथम चक्र में प्रशासन ने संवेदनशीलता और सुशासन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए शिशुओं के साथ आने वाली प्रगणक माताओं के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई। प्रशिक्षण कक्ष में बेड और कूलर की सुविधा उपलब्ध कराकर यह सुनिश्चित किया गया कि माताएं बिना किसी असुविधा के निर्बाध रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। यह पहल न केवल कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने में सहायक है, बल्कि महिलाओं की सहभागिता को सम्मान और सहयोग देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।चार्ज मानपुर (ग्रामीण) में कुल 495 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक निर्धारित किए गए हैं, जिनमें मकान गणना/सूचीकरण का कार्य 408 प्रगणकों द्वारा संपन्न किया जाएगा। प्रत्येक 6 प्रगणकों पर कार्यों के प्रभावी सुपरविजन के लिए कुल 69 सुपरवाइजर्स नियुक्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, तकनीकी सहायता हेतु 9 व्यू एडमिन तथा सभी के प्रशिक्षण के लिए 9 कुशल फील्ड ट्रेनर भी तैनात किए गए हैं। प्रशासन की यह पहल दर्शाती है कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में न केवल दक्षता, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण को भी समान महत्व दिया जा रहा है, जिससे हर सहभागी सम्मानपूर्वक अपनी भूमिका निभा सके।

# ग्राम बलबई में किसान चौपाल संपन्न

उमरिया।

उप संचालक कृषि संग्राम सिंह ने बताया कि ग्राम बलबई में किसान चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल के माध्यम से किसानों को नरवाई प्रबंधन, खाद एवं उर्वरक संबंधित ई टोकन विकास प्रणाली की जानकारी के साथ विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई । इस दौरान बताया गया कि सभी खाद विक्रेताओ निजी एवं सहकारी समितियों को केवल ई विकास पोर्टल से जारी ई टोकन के माध्येम से उर्वरक विक्रय करने के निर्देश दिए गए है। कृषि विभाग व्दाररा बताया गया कि विभाग व्दारा कृषि को बढावा देने के लिए अनेको योजनाओ का संचालन किया जा रहा है । सभी किसान आगे बढकर इन सभी योजनाओं का लाभ उठाते हुए खेती को लाभ का धंधा बना सकते है।

# स्व-गणना पोर्टल पर पंजीकरण कर सक्रिय भागीदारी निभाने अपील

**उमरिया।** जिले में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चल रहे जनगण प्रक्रिया के तहत स्व-गणना को गति देने के लिए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने स्वयं आगे आकर स्व-गणना पोर्टल पर अपना पंजीकरण करते हुए नागरिकों को स्व गडना करने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने कहा कि सही और पूर्ण जानकारी देना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है, इससे योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन संभव होता है। जनगणना देश की रीढ़ है, यह विकास की नींव है। इसमें पूर्ण निष्ठा और सत्यता के साथ भाग लेना चाहिये। यह जनगणना हमारे बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए है।

उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं और समय पर अपने परिवार की पूरी जानकारी दर्ज करें। कलेक्टर ने यह भी बताया कि इस प्रक्रिया से सरकार को सटीक आंकड़े मिलेंगे,जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य,रोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में योजनाएं प्रभावी तरीके से लागू की जा सकेंगी।उन्होंने जिलेवासियों से स्व गणना करने के लिए आधिकारिक पोर्टल का ही उपयोग करने की अपील की।

# 26 अप्रैल को मप्र लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा

उमरिया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि मप्र लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 26 अप्रैल को किया गया है। यह परीक्षा दो पाली में संपन्न होगी। प्रथम पाली में प्रातः10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 2.15 से 4.25 बजे तक संचालित होगी । उन्होंने बताया कि परीक्षा के लिए तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए है जिनमें शासकीय पालीटेक्निक महाविद्यालय उमरिया में बनाए गए केंद्र में 300, शासकीय सज्जन उत्कृष्ट विद्यालय उमरिया में बनाए गए केंद्र में 300 तथा शासकीय बालक उमावि कॉलरी में बनाए गए केंद्र में 300 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे ।

उन्होंने बताया कि तीनों परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा की समस्त प्रारंभिक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने के 90 मिनट पूर्व उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा के दौरान कफ लिंक,धूप का चश्मा, जूते-मोजे,हाथ के बैंड/हाथ में बंधे बंधन इत्यादि में नाना प्रकार के इलेक्ट्रानिक डिवाइस के उपयोग को रोकने के लिए परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर प्रवेश वर्जित होगा। परीक्षार्थी चप्पल व सेण्डल पहनकर आ सकते हैं।चेहरे को ढंक कर परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित होगा। परीक्षा में पेंसिल, रबर (इरेजर) व व्हाईटनर एवं एसेसरीज जैसे- बालों को बांधने का क्लचर/बकल,घड़ी,हाथ में पहने जाने वाले मैटेलिक/चमडे के बैंड, कमर में पहने जाने वाले बेल्ट, धूप में पहने जाने वाले चश्मे, पर्स / वॉलेट, टोपी ताबीज वर्जित है।

परीक्षार्थियों को मोबाइल, केल्कुलेटर इत्यादि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण,पठन सामग्री एवं वर्जित वस्तुएं लेकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। ऐसे सभी परीक्षार्थियों को जिनके पास संबंधित परीक्षा केन्द्र के लिए आयोग द्वारा जारी प्रवेश पत्र हैं व आयोग द्वारा निर्धारित किए गए फोटो परिचय पत्रों में से कोई एक मूल फोटो परिचय पत्र उपलब्ध हो उन्हें प्रवेश दिया जावेगा।

# अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने हेतु दल गठित

**उमरिया।** अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर जिले में होने वाले विवाहों में कहीं भी किसी जगह बाल विवाह संपन्न ना हो सके इसके लिए कलेक्टर उमरिया के निर्देशन पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बांधवगढ़ की अध्यक्षता में खंड स्तरीय उडऩदस्ता दल का गठन किया गया है।दल में मुख्य कार्यपालन अधिकारी करकेली ,तहसीलदार (बांधवगढ़ ,करकेली ,चंदिया,बिलासपुर ,नारोज़ाबाद ),खंड चिकित्सा अधिकारी करकेली ,परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास विभाग संयुक्त रूप से सम्मिलित होकर बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर स्थल भ्रमण कर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत कार्यवाही कर बाल विवाह रुकवाना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही बाल विवाह संबंधी सूचना देने हेतु जिला स्तर पर कंट्रोल रूम ( न.07653-292939) स्थापित किया गया है ।

जिले अंतर्गत होने वाले बाल विवाहों में सेवा प्रदाता कि जिम्मेदारी तय करते हुए कहा गया है कि उम्र की जांच,टेंट हाउस,हलवाई ,बैंड- बाजा , मैरिज गार्डन और ब्यूटी पार्लरों के संचालकों को दूल्हा - दुल्हन के आयु प्रमाण पत्र देखने के बाद ही बुकिंग करनी होंगी।कार्ड छपवाने के लिए निर्धारित शर्त - प्रिंटिंग प्रेस को भी कार्ड छापने से पहले आयु प्रमाण पत्र लेना होगा।18 साल से कम उम्र की बालिका और 21 साल से कम उम्र के बालक की शादी करने या सहयोग देने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम तहत सामूहिक रूप से दंडात्मक कार्यवाही की जावेगी ।

# प्रवीण कुमार पटेल का यूपीएससी में शानदार चयन, 781वीं रैंक हासिल

## जमुना कोतमा क्षेत्र में खुशी की लहर, 22 अप्रैल को दिल्ली से लौटेंगे प्रवीण कुमार

हरिभूमि न्यूज भालुमाडां।

एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के निवासी प्रवीण कुमार पटेल ने कड़ी मेहनत और लगन से यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 781वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। पिता रामजपन पटेल के पुत्र प्रवीण की इस उपलब्धि पर जमुना कॉलोनी सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। स्थानीय लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रवीण ने अपनी प्राथमिक शिक्षा भारत माता पब्लिक स्कूल, कोतमा से प्राप्त की। कक्षा 6 से 10वीं तक वे केंद्रीय विद्यालय, जमुना कॉलोनी में रहे। उच्चतर शिक्षा माइक्रो विजन हायर सेकेंडरी स्कूल, बुरहानपुर से पूरी की। मैकेनिकल इंजीनियरिंग भोपाल से करने के बाद दिल्ली से कोचिंग ली और यूपीएससी परीक्षा में सफलता पाई। पिता रामजंपन पटेल एसईसीएल की आमाडांड खुली खदान परियोजना में फोरमैन (इलेक्ट्रिक विभाग) के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि प्रवीण 22 अप्रैल को दिल्ली से घर लौट रहे हैं, जिसका सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनेगी।

# अमरकंटक जवाहर नवोदय विद्यालय का परचम फिर लहराया सीबीएसई 10 वीं परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन

**हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।** पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, अनूपपुर ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का लोहा मनवाया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम अत्यंत सराहनीय रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने उच्च अंक प्राप्त कर जिले एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय के मेधावी छात्र सक्षम केसरवानी ने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके अलावा प्रयाग सेन ने 95.6 प्रतिशत, सुधांशु गुप्ता ने 95.4 प्रतिशत, सनत प्रजापति ने 95 प्रतिशत तथा अभिनव साहू ने 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विशेष रूप से लगभग 70 प्रतिशत विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में चार चांद लगा दिए। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह पायक ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पण को दिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों डीएस सेंगर, एनके साहू, एमके द्विवेदी, आशीष कुमार, श्रीमती मनोरमा कौशल, श्रीमती मुक्ता सरीन एवं सचिन जाटव सहित समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आशा जताई कि विद्यार्थी भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं देश का नाम रोशन करेंगे।

## लगातार दूसरी बार 100 प्रतिशत परिणाम

# कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन राजेन्द्रग्राम ने रचा नया इतिहास

हरिभूमि न्यूज राजेन्द्रग्राम।

ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उद्देश्य से स्थापित कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन, राजेंद्रग्राम ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता सिद्ध करते हुए सीबीएसई कक्षा 10वीं परीक्षा में लगातार दूसरे वर्ष शत-प्रतिशत (100 प्रतिशत) परिणाम दर्ज किया है।

इस वर्ष कुल 14 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया और सभी विद्यार्थी सफल रहे, जिससे विद्यालय परिवार में हर्ष और गर्व का माहौल है। परीक्षा परिणाम में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों में सत्यम प्रसाद पिता सुरेश प्रसाद ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। शुभम श्रीवास्तव पिता अनुराग श्रीवास्तव 88.4 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि राहुल यादव पिता राजेंद्र प्रसाद यादव) ने 86.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन विद्यार्थियों की उपलब्धि ने विद्यालय की प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ किया है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य नरसिम्हा प्रसाद ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार दो वर्षों से 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करना विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने इसे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि वे जीवन में उच्च शिखरों को प्राप्त कर सकें। एकेडमिक मेंटर पीएस विश्वास ने भी इस सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित यह संस्थान अब अपने लक्ष्य की ओर मजबूती से अग्रसर है। प्रबंधन के अनुसार, विद्यालय केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और आत्मविश्वास के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने के लिए विद्यालय प्रतिबद्ध है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा वातावरण बन गया। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की खुशी देखने योग्य थी। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यह विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

# जल स्त्रोतों का संरक्षण केवल सरकार का कार्य नहीं बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी-ओंकार सिंह

**हरिभूमि न्यूज कोतमां।** जल स्त्रोतों का संरक्षण और साफ-सफाई श्रमदान केवल सरकार का कार्य नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। ऐसे प्रयास समाज में जागरूकता लाकर जल संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि हम आज जल को बचाएंगे, तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नामांकुर संस्था जी.एस. हितकारिणी समिति के द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पथरौडी के सहयोग से गोटिया तालाब में श्रमदान एवं साफ सफाई की गई जल स्त्रोतों में श्रमदान और जन-सामुदायिक भागीदारी से न केवल स्वच्छता बढ़ती है, बल्कि समाज में जिम्मेदारी और सहयोग की भावना भी मजबूत होती है। इस कार्यक्रम में ओंकार सिंह, जगत प्रसाद केवट, बबलू केवट, राजेंद्र केवट, स्वरूप सिंह, रीवा सिंह, सुखदेव सिंह, लोचन केवट, मनमोहन सिंह, नीलम सिंह, सुखराम सिंह, लोकनाथ सिंह कार्यक्रम में उपस्थित थे।

# अक्षय तृतीया पर बाल विवाहों की रोकथाम एवं जागरूकता निर्माण करते हुये सतर्कता दिवस का जिला प्रशासन के साथ प्रयास

**हरिभूमि न्यूज कोतमां।** बाल अधिकारों की सुरक्षा व बाल विवाहों की रोकथाम के लिए कार्य कर रहे 250 से भी अधिक संगठनों के नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संस्था होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवेलपमेंट (हार्ड) के द्वारा सहभागिता के साथ बाल विवाह निषेध अधिकारी व आशा यूनिट ने सहयोग प्रदान किया है। संस्था द्वारा पंचायतों स्कूलों और धार्मिक गुरुओं के साथ मिलकर जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में बाल विवाह मुक्त भारत का सन्देश दिया एवं शपथ दिलाई। अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह जैसे अपराध को स्वीकार नहीं किया जा सकता सभी स्टेक होल्डर के समन्वित प्रयास एवं जागरूकता से इस दिन होने वाले विवाह में खास कमी आई है। सुशील कुमार शर्मा संस्था प्रमुख हार्ड के द्वारा कहा गया कि कुछ वर्षों पहले लोगों को यह नहीं मालूम था कि नाबालिग बच्चों की शादी बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय है साथ ही शादी में सेवा देने वाले हलवाई, डेकोरेटर, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल वाले, विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी आदि भी अपराध में संलिप्त माना गया है और उन्हें सजा एवं जुर्माना हो सकता है। लेकिन जमीन स्तर पर हमारे सब के प्रयासों से जागरूकता बढ़ी है लोग अब ऐसी घटनाओं की सुचना प्रशासन को तुरंत देते हैं और प्रशासन त्वरित कार्यवाही करता है हमें विश्वास है कि शासन द्वारा निर्धारित 2030 तक जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।

**खबर संक्षेप**

## स्व गणना कर भविष्य की दिशा तय करने में दें योगदानः कमिश्नर

**शहडोल।** कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि जनगणना 2026-27 के अंतर्गत प्रथम चरण 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक स्व गणना प्रक्रिया की गई है। इस प्रक्रिया के मध्यम से आमजन ऑनलाइन पोर्टल पर विजिट कर सटीक एवं सही जानकारी भरकर स्व गणना प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करते हुए देश और समाज के भविष्य की दिशा तय करने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि स्व-गणना पूर्ण होने पर प्राप्त आईडी प्रगणक को अवश्य उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा पहली बार शुरू की गई स्व-गणना की सुविधा के माध्यम से अब आमजन घर बैठे, मोबाइल या कंप्यूटर से अपनी जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं। यह पहल न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि लोगों को सीधे इस राष्ट्रीय अभियान से जोडने का अवसर भी दे रही है।

## आज मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह

**शहडोल।** मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह एवं निकाह योजना के तहत सामूहिक कन्या विवाह 19 अप्रैल को जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम रसपुर में प्रातः 10 बजे से जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियो की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा।

## बाल विवाह एक अभिशाप

**शहडोल।** जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अखिलेष मिश्रा ने बताया कि 18 वर्ष से पहले किसी लडकी व 21 वर्ष से पहले किसी लड़के का विवाह करना बाल विवाह की श्रेणी में आता है। जिसे कानूनी रूप से अपराध माना गया है। बाल विवाह कराने वाले माता पिता रिस्तेदार व विवाह को सपंन्न कराने में सहयोगी भूमिका निभाने वाले पंडित, मौलवी, हलवाई, बैण्ड, टेन्ट वाले आदि भी बाल विवाह कराने के अपराधी माने जायेगे, जिन्हें बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत अपराध साबित होने पर 2 साल की कैद, या 1 लाख का जुर्माना अथवा दोनो का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह कानूनी रूप से अपराध है। प्रदेश में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 को अधिक प्रभावी रूप से कियांन्वयन किये जाने हेतु जिला तहसील व विकासखंड स्तर पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी अधिसूचित किये गये है। जिसमें जिला स्तर पर जिला कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, तहसील स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, विकासखंड स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा समस्त परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग शामिल किये गये है। जिन्हें बाल विवाह होने या बाल विवाह की संभावना की सूचना देकर बाल विवाह रोका जा सकता है। इसके अतिरिक्त आंगनबाडी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, आशा कार्यकर्ता के अतिरिक्त टोल फ्री चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 एवं 112 में भी बाल विवाह की सूचना दे सकते है। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पता व पहचान गोपनीय रखा जाता है।

## कल से अस्मिता लीग फुटबॉल बालिका प्रतियोगिता

**शहडोल।** सहायक संचालक खेल रईस अहमद ने बताया कि अस्मिता लीग फुटबॉल 14 वर्ष आयु वर्ग बालिका प्रतियोगिता का आयोजन ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन एवं मध्य प्रदेश फुटबॉल फेडरेशन के निर्देशानुसार रेलवे फुटबॉल मैदान शहडोल में 20 अप्रैल से 22 अप्रैल 2026 तक किया किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बालिकाओं को फुटबॉल खेल के प्रति जागरूक करना एवं फुटबॉल में आगे बढ़ाना है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन कर शहडोल जिले की फुटबॉल टीम तैयार की जाएगी जिन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में खेलने का अवसर प्राप्त होगा।
इस प्रतियोगिता के पश्चात अस्मिता 14 वर्ष आयु वर्ग बालिका प्रतियोगिता का आयोजन मई 2026 की सेकंड वीक में कराया जाएगा। इस प्रतियोगिता में कुल 6 रजिस्टर्ड क्लबो की टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता का पहला मैच प्रातः 7:30 बजे, दूसरा मैच 9:30 बजे तीसरा मैच शाम 3:30 बजे चैथा मैच शाम 5: 30 तक खेला जाएगा।

# केन्द्रीय विद्यालय एसईसीएल नौरोजाबाद में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन

**बिरसिहपुर पाली उमरिया**

केंद्रीय विद्यालय एस ई सी एल नौरोजाबाद में विद्यालय प्रबंधन समिति (VMC) की पहली बैठक अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस बैठक में विद्यालय के चेयरमैन एवं महाप्रबंधक एस ई सी एल जोहिला क्षेत्र नौरोजाबाद, श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में विद्यालय भवन के नवीनीकरण, सुरक्षा, बच्चों के खेलकूद व मनोरंजन की सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। प्राचार्य श्री संतोष कुमार द्विवेदी ने बैठक के दौरान विशेष रूप से यह कहा कि विद्यालय के चेयरमैन श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में विद्यालय हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है। चाहे खेल-कूद हो या सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन-हर उपलब्धि के पीछे चेयरमैन सुरेन्द्र सिंह चौहान जी का अथक परिश्रम और दूरदर्शिता है। बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय जिसमें विद्यालय भवन का नवीनीकरण, विद्यालय गेट का रिनोवेशन, कक्षाओं में खिड़कियों का प्रतिस्थापन, सुरक्षा समिति बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में चेयरमैन सुरेन्द्र सिंह चौहान की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भूमिका के कारण ही विद्यालय का वातावरण, अधोसंरचना और शैक्षणिक माहौल आज इस मुकाम पर पहुंचा है। विद्यालय परिवार और अभिभावक समुदाय ने भी उनके प्रयासों की सराहना की। बैठक में श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान, चेयरमैन व मुख्य महाप्रबंधक, एस ई सी एल जोहिला क्षेत्र नौरोजाबाद, श्री एन आर प्रसाद, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, श्री प्रवीण कुमार, एस ओ (सिविल), श्री एस के बंजारे, क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक, श्री निशांत बुलकुंडे, वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिक, श्री बीरेंद्र कुमार राय, प्राचार्य पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय उमरिया, डॉ अरविन्द साह बरकड़े, सहायक प्राध्यापक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उमरिया, श्री नरेश कुमार गढ़वाल, शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित थे।

# नारी शक्ति के उत्थान में रोड़ा अटका रहा विपक्ष प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी का तीखा हमला

**बुढार।**

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सरावगी ने महिलाओं को मिलने वाले 33 फीसदी अधिकार (आरक्षण) के मुदे पर विपक्ष के अड़यिल रुख पर गहरी निराशा व्यक्त की है।

मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जब देश और प्रदेश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं, तब विपक्ष केवल अपनी राजनैतिक रोटियां सेकने के लिए इसमें बाधा उत्पन्न कर रहा है।श्रीमती शालिनी सरावगी ने कहा कि संवैधानिक अधिकार पर प्रहारः करते हुए 33 फीसदी अधिकार महिलाओं का संवैधानिक हक है, लेकिन विपक्ष की नकारात्मक

मानसिकता इसे स्वीकार नहीं कर पा रही है।दोगला चरित्रः उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ विपक्ष महिला सुरक्षा की बात करता है, वहीं दूसरी तरफ जब उन्हें नीति निर्धारण में हिस्सेदारी देने की बात आती है, तो विरोध पर उतर आता है।विकास की राह में बाधाः प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सरावगी ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की भागीदारी के बिना किसी भी प्रदेश का विकास संभव नहीं है। विपक्ष का यह विरोध केवल एक दल का विरोध नहीं, बल्कि आधी आबादी के सपनों का विरोध है।"विपक्ष का यह आचरण अत्यंत निराशाजनक है। महिलाओं को सशक्त बनाने के संकल्प को कोई भी विरोध डिगा नहीं सकता। जनता देख रही है कि कौन विकास के साथ है और कौन केवल अवरोध पैदा करना जानता है।शालिनी ने आह्वान किया कि मातृशक्ति अब जागृत हो चुकी है और वह अपने अधिकारों के प्रति सजग है। आने वाले समय में महिलाएं इस विरोध का मुंहतोड़ जवाब देंगी।

# भारतीय किसान संघ ने कलेक्टर से की शिष्टाचार मुलाकात

**बिरसिहपुर पाली उमरिया**

उमरिया जिले की नई कलेक्टर रखी सहाय ने उमरिया जिले का पद संभालने के बाद भारतीय किसान संघ जिला इकाई उमरिया ने कलेक्टर महोदया से शिष्टाचार मुलाकात की, भारतीय किसान संघ जिला अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ दे कर कलेक्टर महोदया का स्वागत किया एवं न्यू कलेक्टर के आने से उम्मीद जताई कि किसानों के हितों पर अच्छा कार्य हो, भारतीय किसान संघ जिला इकाई सदस्य भामा नायक, श्याम गुप्ता, शशिकांत शुक्ला, रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी, राम दिनेश वर्मा उपस्थित रहे, शिष्टाचार मुलाकात के साथ जिले के किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा किया गया, जिसमें कलेक्टरों महोदया द्वारा आश्वत किया गया जिला प्रशासन किसानों के साथ है और उनके समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा ।

# मानपुर नगर परिषद में संपत्तिकर के 'मायाजाल' में उलझी जनता सूचना दबाकर जेब काटने की तैयारी!

### गुमनाम अखबार में इश्तहार और प्रशासक काल का टैक्स वसूलने की जिद

### प्रशासनिक पारदर्शिता पर उठे गंभीर सवाल

**मानपुर।** नगर परिषद मानपुर में संपत्तिकर संशोधन का पूरा घटनाक्रम अब एक बड़े प्रशासनिक खेल और जन-आक्रोश का रूप ले चुका है। पारदर्शिता के सरकारी दावों के बीच 'चुपचाप निर्णय' और 'सीमित सूचना' की रणनीति ने परिषद की मंशा को गहरे सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। नियमों को ताक पर रखकर अपनाई गई इस दोषपूर्ण प्रक्रिया ने मानपुर के हर वर्ग, चाहे वो छोटा व्यापारी हो या मध्यमवर्गीय परिवार, सभी को ठगा हुआ महसूस कराया है। इस पूरे विवाद की जड़ जीआईएस सर्वे से शुरू हुई, जिसके दौरान जनता को यह भनक तक नहीं लगने दी गई कि इसी आधार पर भविष्य का भारी-भरकम टैक्स तय होने वाला है। जानकारी के अभाव में किसी ने भी आपत्ति दर्ज नहीं की, लेकिन जैसे ही नागरिकों के मोबाइल पर बढ़े हुए टैक्स के संदेश पहुंचे, पूरे नगर में हडकंप मच गया।

हैरानी की बात यह है कि जब विरोध बढ़ा, तो 25 फरवरी 2026 को परिषद ने बंद कमरे में बैठक कर कर-निर्धारण की पद्धति को वर्गमीटर से बदलकर वर्गफीट करने का निर्णय लिया। दावा किया गया कि इससे जनता को राहत मिलेगी, लेकिन हकीकत में इस बदलाव से पहले न तो कोई जनसुनवाई हुई और न ही नागरिकों को अपनी बात रखने का अवसर दिया गया।
प्रशासनिक गोपनीयता का आलम यह रहा कि 9 अप्रैल 2026 को संशोधित दरों की सूचना केवल एक ऐसे अखबार में प्रकाशित कर औपचारिकता पूरी कर ली गई, जिसकी पहुंच मानपुर क्षेत्र में न के बराबर है। न व्हाट्सएप ग्रुपों का सहारा लिया गया और न ही सार्वजनिक मुनादी कराई गई, जिससे यह साफ झलकता है कि यह सूचना जनता के लिए नहीं, बल्कि केवल सरकारी फाइलों में खानापूर्ति करने के लिए जारी की गई थी।
मामले में सबसे गंभीर आपत्ति प्रशासक काल के संपत्तिकर की वसूली को लेकर उठ रही है। स्थानीय नागरिकों का कड़ा विरोध है कि जब परिषद में जनता द्वारा चुनी हुई सरकार नहीं थी और प्रशासक का कार्यकाल चल रहा था, उस अवधि का संपत्तिकर क्यों थोपा जा रहा है? नागरिकों का स्पष्ट तर्क है कि कर की वसूली उस तिथि से की जानी चाहिए, जब से नगर परिषद में विधिवत चुनाव हुए और जन-प्रतिनिधियों ने कार्यभार संभाला। चुनाव से पूर्व की अवधि और ग्रामीण व्यवस्था के समय का शहरी टैक्स वसूलना न केवल तर्कहीन है, बल्कि आर्थिक शोषण की श्रेणी में आता है। जनता का मानना है कि प्रशासक के समय के निर्णयों को बिना जन-सहमति के लागू करना न्यायसंगत नहीं है।
अब यह पूरा मामला कलेक्टर की चौखट पर पहुंच चुका है, जहां पीड़ित नागरिकों ने मांग की है कि मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 का पालन करते हुए इस पूरी दूषित प्रक्रिया को तत्काल शून्य घोषित किया जाए। लोग अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं और उनका स्पष्ट कहना है कि टैक्स देना नागरिक जिम्मेदारी है, लेकिन बिना सुनवाई, बिना पारदर्शिता और प्रशासक काल के पुराने बोझ को लादना सीधे तौर पर प्रशासनिक तानाशाही है।८

# शासकीय महाविद्यालय में रिलायंस सी.बी.एम.प्रोजेक्ट द्वारा अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम पर छात्र सुरक्षा उपायों से हुये जागरूक

**बुढ़ार।**

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुढ़ार में फायर सर्विस वीक के तहत रिलायंस सी.बी.एम. प्रोजेक्ट द्वारा अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

फायर सर्विस वीक कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह रहा कि - विद्यार्थी आकस्मिक आगजनी की उत्पन्न होनें वाली घटना से कैसे बचाव कर सकें और होनें वाली हानि की सुरक्षा में सहायक हो सकें, के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम अवसर पर फायर सेफ्टी विशेषज्ञ नें - आकस्मिक माल बिल्डिंग या घरों में आग लगने की स्थिति में सुरक्षित बाहर निकलने का व्यवहारिक अभ्यास छात्रों को कराया, जिससे विद्यार्थियों में आपातकालीन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित हो सकीख साथ ही अग्निशामक यंत्रों के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया, जिसमें छात्रों एवं महाविद्यालयीन स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, इसके अलावा प्राथमिक चिकित्सा एवं आपातकालीन बचाव कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी छात्रों के मध्य साझा की गईं। फायर सर्विस वीक कार्यक्रम अवसर पर - महाविद्यालयीन छात्रों ने न केवल आग बुझाने के तरीकों को समझा, बल्कि स्वयं अग्निशामक उपकरणों का संचालन कर व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया।

कार्यक्रम का संचालन रिलायंस सी.बी.एम. प्रोजेक्ट फायर सेफ्टी विभाग के अधिकारी प्रेम कुमार राठौर के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान फायर सेफ्टी विशेषज्ञ प्रदीप द्विवेदी ने आग लगने के प्रमुख कारणों और उससे बचने के प्रभावी उपायों की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया।

शासकीय महाविद्यालय प्राचार्य श्रीमती डॉ गंगा मिश्रा नें रिलायंस सी.बी.एम. द्वारा फायर सर्विस वीक के अवसर पर महाविद्यालय में छात्रों तथा महाविद्यालयीन स्टाफ को आगजनी की घटना से बचाव के विविध पहलुओं से अवगत करानें के इस सार्थक प्रयास की सराहना करते हुए कहाकि - ऐसे आयोजन से छात्रों को आगजनी से सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अति महत्वपूर्ण रही हैं।

फायर सर्विस वीक कार्यक्रम अवसर पर - रिलायंस की ओर से डॉ. समीम खान, अजय पांडे एवं दिलीप नामदेव की उपस्थिति रही, वहीं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ गंगा मिश्रा, राष्ट्रीय सेवा योजना जिला संगठक एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल कुमार उपाध्याय, डॉ राधेश्याम नापित, डॉ नागमणि मानिकपुरी, डॉ रानी पटेल, डॉ. बी.एन. उपाध्याय, दीपक पटेल, दिनेश वर्मा एवं कमलेश प्रजापति अजय जैन सहित महाविद्यालय स्टाफ तथा छात्र-छज्ञत्राओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

# ज्ञान निकेतन स्कूल का शानदार परीक्षा परिणामः पल्लवी और जिया ने लहराया परचम

**बुढ़ार।**

15 अप्रैल को माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा कक्षा दसवीं एवं बारहवीं का रिजल्ट घोषित किया गया जिसमें ज्ञान निकेतन इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, बुढ़ार के विद्यार्थियों ने वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद स्कूल परिसर में खुशी का माहौल है।

**कक्षा 10वीं के मेधावी छात्र**

कक्षा 10वीं के परिणामों में छात्राओं का दबदबा देखने को मिलाःपल्लवी साकेत (पुत्री कैलाश साकेत) ने 90.2% (451/500) अंक प्राप्त कर विद्यालय में शीर्ष स्थान बनाया। तन्वी गुप्ता (पुत्री धीरज गुप्ता) ने 89% (445/500) अंकों के साथ अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। जिया चौधरी (पुत्री रज्जू चौधरी) ने 88.2% (441/500) अंक हासिल किए।अनुराग यादव (पुत्र प्रदीप कुमार यादव) ने 88% (440/500) अंक प्राप्त कर सफलता की सूची में अपना नाम दर्ज कराया।

**कक्षा 12वीं का प्रदर्शन**

कक्षा 12वीं में अनुज कुमार द्विवेदी (पुत्र विष्णु शरण द्विवेदी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 83% (415/500) अंक प्राप्त किए और विद्यालय को गौरवान्वित किया।

**विद्यालय प्रबंधन का संदेशः**

प्राचार्य बाल्मिकी प्रसाद शर्मा ने कहा कि"हमें अपने विद्यार्थियों की मेहनत और उनके शिक्षकों के मार्गदर्शन पर गर्व है। यह सफलता छात्रों के कड़े परिश्रम और निरंतरता का परिणाम है। हम सभी सफल छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।"

इस उपलब्धि पर उप प्राचार्य प्रेम कुमार ने स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने सभी मेधावी छात्रों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दी है।

# जल के संरक्षण का संकल्प, सुरक्षित जीवन होगा कल

# जल के प्रति होना होगा सचेत और सजक

**शहडोल।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में जल के संरक्षण, संवर्धन एवं जल के प्रति जनमानस में जागरूकता बढ़ाने के उददेश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलाया जा रहा है। शहडोल जिले के समस्त ग्राम पंचायतो एवं नगरीय निकायो में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा के जल के संचयन हेतु पुराने तालाबो की साफ-सफाई, जल स्त्रोतो के जीर्णोद्वार के कार्य, शोक पिट निर्माण, वाटर हार्वेस्टिग के कार्य जैसे अन्य कार्य किये जा रहे है जिसके सकारात्मक परिणाम परिलक्षित हो रहे है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम सरवारी में विधायक ब्यौहारी शरद कोल, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, अध्यक्ष जनपद पंचायत श्रीमती मालती सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जयसिंहनगर श्रीमती शिवानी जैन के नेतृत्व में जल चैपाल का आयोजन किया गया। साथ ही तालाब की साफ सफाई कार्य में श्रमदान कर जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया।

जल चैपाल के दौरान आमजन को जल का महत्व बताया गया कि जल के बिना जीवन संभव नहीं है इसका संचयन अत्यन्त आवश्यक है। जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है। वर्षा के जल को सहेजने के लिए हम सबको आगे आना होगा और जल के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति हम सब को सचेत और सजग होना पड़ेंगा। जल गंगा संवर्धन अभियान में जनमानस बढ़-चढ़ कर भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सरपंच, पेसा मोबाइलाइजर, सचिव सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

## भगवान परशुराम जन्मोत्सव एवं अक्षय तृतीया पर होंगे भव्य आयोजन

# शोभायात्रा सहित विविध कार्यक्रमों की तैयारियां पूर्ण

शहडोल। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान परशुराम जी स्वामी के जन्मोत्सव एवं अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जिला ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में सोमवार 20 अप्रैल को भव्य धार्मिक, सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। समाज द्वारा आयोजित इस विशेष पर्व को लेकर विप्रजनों एवं नगरवासियों में उत्साह का वातावरण है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रमों की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा अधिक से अधिक लोगों से सहभागिता की अपील की गई है।

जानकारी के अनुसार कार्यक्रमों का शुभारंभ प्रातः 10 बजे से रक्तदान शिविर के साथ होगा। इस शिविर में समाज के युवा, महिलाएं एवं नागरिक बढ़-चढक़र भाग लेंगे। रक्तदान जैसे महादान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को सहायता पहुंचाने का उद्देश्य रखा गया है। इसी समय प्रातः 10 बजे से आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर का

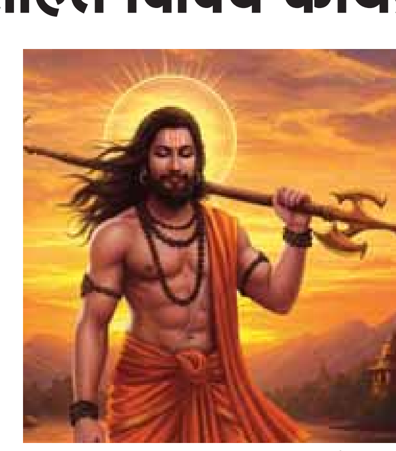

भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श एवं औषधि वितरण किया जाएगा। यह शिविर आमजन के स्वास्थ्य लाभ हेतु विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

इसके पश्चात अपरान्ह 1:30 बजे से स्नेह भोज का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समाज के वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं एवं समस्त विप्रजन एकत्र होकर सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देंगे। सामूहिक भोज के माध्यम से आपसी सौहार्द एवं संगठन की भावना को मजबूत किया जाएगा।

सायं 4 बजे भगवान परशुराम जी स्वामी की जीवन्त झांकियों का पूजन-अर्चन, धार्मिक अनुष्ठान एवं पुण्य श्लोकों का पाठ किया जाएगा। इस दौरान भगवान परशुराम जी के जीवन चरित्र, आदर्शों, शौर्य, तपस्या एवं धर्मरक्षा के संदेशों का स्मरण किया जाएगा। श्रद्धालुओं द्वारा विशेष पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी।

इसके उपरांत सायं 4:30 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो जयस्तंभ चौक से प्रारंभ होकर गांधी चौक, जैन मंदिर मार्ग से होते हुए मोहनराम मंदिर तक पहुंचेगी। शोभायात्रा में भगवान परशुराम जी की आकर्षक झांकियां, बैंड-बाजे, ध्वज पताकाएं, धार्मिक घोष, पुष्पवर्षा एवं भक्ति गीतों की मधुर धुनों से संपूर्ण नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहेगा।

आयोजकों ने बताया कि शोभायात्रा को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने हेतु व्यापक तैयारियां की गई हैं। समाज के पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता एवं महिलाएं विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। सुरक्षा, यातायात व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। जिला ब्राह्मण समाज शहडोल ने समस्त विप्रजन, समाजबंधुओं एवं नगरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सभी कार्यक्रमों को सफल बनाएं तथा भगवान परशुराम जी के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करें। आयोजकों ने कहा कि यह पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सेवा, संस्कार और संगठन शक्ति का भी संदेश देता है।

## खबर संक्षेप

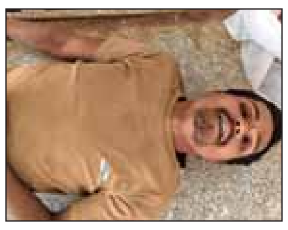

### पेड़ में चढ़कर लकड़ी काट रहे युवक की गिरने से दर्दनाक मौत

**हरिभूमि न्यूज कोतमा।** वन परिक्षेत्र अंतर्गत सकोला बीट के जंगल में शुक्रवार की दोपहर सरई के पेड़ में चढ़कर लकड़ी काट रहे युवक गुड्डू बसोर 25 वर्ष निवासी पतेराटोला की गिरने से दर्दनाक मौत होने का मामला सामने आया है। मृतक 30 फीट ऊंचाई पर पेड़ से लकड़ी काट रहा था। जंगल में युवक की मौत की खबर से वन विभाग में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना अस्पताल स्टाफ के द्वारा दिए जाने पर पुलिस ने शव का निरीक्षण एवं पीएम उपरांत परिजनों को सौंप दिया। मामले में मर्ग कायम कर डायरी घटनास्थल भालूमाडा होने के कारण भेजी जाएगी। बताया जा रहा है कि गुड्डू बसोर पिता पूरन सुबह घर से साईकिल में लकड़ी काटने के लिए निकला था। दोपहर 1 बजे जमुना कॉलोनी वर्कशॉप के पीछे सरई के जंगलों में लगभग 30 फीट ऊपर पेड़ में चढकर लकड़ी काटने के दौरान अचानक गिर गया। गंभीर घायल होकर तड़फने पर वन चौकीदार चौधरी दो पहिया वाहन से कोतमा अस्पताल लाया जहां मौत हो गई। जन चर्चा है कि मृतक को मिर्गी की भी बीमारी थी जिस कारण भी गिरने की संभावना बताई जा रही है। मलगा सर्किल से कोयला खनन का काम भी तेजी से हो रहा। जिम्मेदार साठगांठ कर वनों का नुकसान करा रहे हैं। जंगल में लकड़ी काटने के दौरान दलित युवक की मौत की खबर से सनसनी फैल गईं है।

#### इनका कहना है

पेड़ में चढ़े युवक की गिरकर मौत होने की घटना की जानकारी मिली है। मामले की जांच कराई जाएगी।

**हरीश तिवारी रेंजर कोतमा**

### अमरकंटक में बढ़ती गर्मी, दिन में चुभन, रात में शीतलता बरकरार

**हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।** मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक-आध्यात्मिक तीर्थ स्थल अमरकंटक में अब ग्रीष्म ऋतु ने अपनी दस्तक स्पष्ट रूप से दे दी है। दिन के समय तेज धूप और चुभन भरी गर्मी लोगों को परेशान करने लगी है, वहीं शाम ढलते ही मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल जाता है और ठंडी हवाओं के साथ वातावरण सुहावना एवं सुकूनदायक हो उठता है।

## विधायक-सांसद के साए में दम तोड़ती स्वास्थ्य व्यवस्था, युवक की गई जान

# गुस्साए परिजनों ने शव रख किया रीवा अमरकंटक मुख्य मार्ग जाम

**अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही ने एक युवक की जान ले ली है, लेकिन इस बार सवाल और भी गंभीर हैं। यह वही मुख्यालय है जहां विधायक और सांसद का निवास, अधिकारियों की मौजूदगी और संसाधनों की उपलब्धता है वह भी महज सिर्फ कागज़ों में जमीनी हकीकत में समय पर इलाज और एम्बुलेंस न मिलने से युवक ने दम तोड़ दिया। गुस्साए परिजनों ने चक्का जाम कर सिस्टम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया, जिससे व्यवस्था की संवेदनहीनता उजागर हो गई है।**

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/राजेन्द्रग्राम।

पुष्पराजगढ़ मुख्यालय में जहां एक ओर प्रशासनिक अमला, विधायक और सांसद का ठिकाना है, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य व्यवस्था की हकीकत किसी दूरस्थ पिछड़े इलाके से भी बदतर नजर आती है। करौंदा टोला के 32 वर्षीय छोटे सिंह नेताम की मौत ने इस सच्चाई को बेनकाब कर दिया है। सुबह घायल अवस्था में मिले युवक को समय पर न एम्बुलेंस मिली, न बेहतर इलाज मिल सका है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल और फिर जबलपुर रेफर किए जाने के बीच वह जिंदगी की जंग हार गया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब क्षेत्र में विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को स्वयं मौजूद हैं और रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष भी हैं, साथ ही सांसद हिमाद्रि सिंह का निवास भी अस्पताल के पास है, तब भी स्वास्थ्य सेवाओं की यह दुर्दशा ऐसी क्यों? यह घटना सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि व्यवस्था की गहरी विफलता को उजागर करती है, जिसका खामियाजा आम जनता को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है।

### मुख्यालय में लापरवाही आखिरकार जिम्मेदार कौन?

पुष्पराजगढ़ कोई दूरदराज का गांव नहीं, बल्कि तहसील मुख्यालय है जहां सभी विभागों के अनुभागीय अधिकारी मौजूद रहते हैं। इसके बावजूद एक गंभीर घायल को समय पर एम्बुलेंस तक नहीं मिल पाई है। यह कोई पहला मामला नहीं है कि कभी भी पुष्पराजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एंबुलेंस और समय पर इलाज किसी मरीज को नसीब हुआ हो? यह स्थिति बताती है कि समस्या संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति और जिम्मेदारी की कमी है। जब मुख्यालय का यह हाल है, तो दूरस्थ गांवों की स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।यह घटना प्रशासनिक व्यवस्था पर सीधा सवाल खड़ा करती है कि आखिर जिम्मेदार कौन है?

### विधायक-सांसद के साए में बदहाल स्वास्थ्य सेवा

क्षेत्रीय विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को का निवास यहीं है और वे रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष भी हैं। वहीं सांसद हिमाद्रि सिंह भी अस्पताल के समीप रहती हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य व्यवस्था की यह हालत चौंकाने वाली है। क्या जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई है? स्थानीय लोगों का आरोप है कि जनप्रतिनिधि क्षेत्र में मौजूद जरूर हैं, लेकिन जमीनी समस्याओं के समाधान में उनकी सक्रियता नजर नहीं आती है। यह लापरवाही सीधे जनता की जान पर भारी पड़ रही है। समय रहते अगर जनप्रतिनिधि और अधिकारी नहीं जागे तो आम जनता अपना रास्ता खुद ही मजबूरी में तैयार कर सकती है।

### लापरवाही की कीमत युवक की मौत

छोटे सिंह नेताम की मौत सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य विभाग की लगातार लापरवाही का परिणाम है। समय पर एम्बुलेंस नहीं मिलना, प्राथमिक उपचार में ढिलाई और बार-बार रेफर करना ये सब मिलकर एक ऐसी श्रृंखला बनाते हैं, जिसमें मरीज की जान फंस जाती है। यह पहला मामला नहीं है, बल्कि क्षेत्र में ऐसी घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। हर बार जांच और कार्यवाही की बात होती है, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात ही रह जाता है

### गुस्से में जनता, सड़क पर शव

युवक की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जोहिला पुल पर शव रखकर रीवा-अमरकंटक मार्ग जाम कर दिया। करीब 6 घंटे तक आवागमन पूरी तरह ठप रहा है। यह विरोध सिर्फ एक घटना का नहीं, बल्कि वर्षों से जमा आक्रोश का नतीजा है। लोगों का कहना है कि जब तक ठोस कार्यवाही नहीं होगी और पुष्पराजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली नहीं सुधरती है, तब तक ऐसे आंदोलन जारी रहेंगे। प्रशासन के आश्वासन अब लोगों को भरोसेमंद नहीं लगते, क्योंकि जमीनी बदलाव नजर नहीं आता है।

### रोगी कल्याण समिति या सिर्फ नाम का ढांचा?

रोगी कल्याण समिति, जिसका उद्देश्य अस्पतालों की व्यवस्था सुधारना होता है, यहां सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गई है। जब स्वयं विधायक इसके अध्यक्ष हैं, तो फिर भी अस्पताल की स्थिति इतनी खराब क्यों है? क्या बैठकों में सिर्फ कागजी योजनाएं बनती हैं या जमीन पर भी कुछ लागू होता है? यह घटना बताती है कि सिस्टम में जवाबदेही की भारी कमी है। जब तक जिम्मेदारों को कठघरे में खड़ा नहीं किया जाएगा, तब तक आम जनता इसी तरह सिस्टम की लापरवाही का शिकार होती रहेगी।

# अमरकंटक में चला प्रशासन का बुलडोजर, अतिक्रमण पर कसा शिकंजा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक में प्रशासन ने अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक कार्रवाई की। नगर परिषद अमरकंटक एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा नगर के वार्ड क्रमांक 1 से 15 तक फैले अवैध अतिक्रमणों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें हटाया गया। इस अभियान ने नगर में व्यवस्था और स्वच्छता बनाए रखने के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। कार्रवाई के दौरान नगर परिषद अमरकंटक के मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि माँ नर्मदा के पावन तटों के आसपास तथा नगर के किसी भी हिस्से में अतिक्रमण को पनपने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि यह अभियान केवल वर्तमान अतिक्रमणों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य में भी निरंतर निगरानी रखते हुए ऐसी अवैध गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस संयुक्त कार्रवाई में नगर परिषद अमरकंटक के कर्मचारी, पुलिस प्रशासन की टीम, राजस्व विभाग के नायब तहसीलदार एवं स्थानीय पटवारी की सक्रिय उपस्थिति रही। सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से यह अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अमरकंटक, जो कि माँ नर्मदा की उद्गम स्थली के रूप में देशभर में श्रद्धा और आस्था का केंद्र है, वहां इस प्रकार की कार्रवाई न केवल नगर की सौंदर्यता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है, बल्कि धार्मिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रशासन की इस पहल से यह संदेश स्पष्ट रूप से गया है कि अमरकंटक की पवित्रता और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# श्मशान में संकट, लकड़ी के अभाव में थम रहे अंतिम संस्कार, वन विभाग पर गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/जैतहरी।

जिले के जैतहरी नगर में अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील प्रक्रिया भी अब व्यवस्था की लापरवाही का शिकार हो रही है। नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने कलेक्टर और वन मंडलाधिकारी को पत्र लिखकर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि वन विभाग के डिपो में अंतिम संस्कार के लिए जरूरी लकड़ी तक उपलब्ध नहीं है, जिससे शोकाकुल परिवारों को अपमानजनक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में स्व. धनराज आहूजा की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा आहूजा के अंतिम संस्कार के दौरान लकड़ी न मिलने की घटना ने पूरे नगर को झकझोर दिया है। यह मामला अब सिर्फ एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुका है। लगातार बढ़ते आक्रोश के बीच प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

### वन विभाग की लापरवाही से थमी अंतिम विदाई

जैतहरी नगर में वन विभाग के डिपो में अंतिम संस्कार हेतु लकड़ी का अभाव सीधे-सीधे विभागीय लापरवाही को उजागर करता है। यह कोई सामान्य वस्तु नहीं, बल्कि जीवन की अंतिम प्रक्रिया से जुड़ा अत्यंत आवश्यक संसाधन है। जब शोक में डूबे परिवार को इस तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की अनदेखी भी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग पैसे लेने के बावजूद समय पर लकड़ी उपलब्ध नहीं करा पा रहा, जिससे लोगों का भरोसा लगातार टूट रहा है।

### आस्था पर चोट, सनातन परंपराओं की अनदेखी

सनातन धर्म में अंतिम संस्कार केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि गहरी आस्था और परंपरा से जुड़ा संस्कार है। ऐसे में लकड़ी जैसी मूलभूत आवश्यकता का अभाव लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करता है। अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने अपने पत्र में स्पष्ट कहा है कि यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और प्रशासन को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। जब सरकारें जन्म से मृत्यु तक योजनाओं की बात करती हैं, तब जमीनी स्तर पर इस तरह की कमी उन दावों की सच्चाई को उजागर करती है।

### बढ़ता आक्रोश, कार्रवाई की मांग तेज

नगर में इस घटना के बाद आक्रोश का माहौल है और लोग प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग कर रहे हैं। अध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि वन विभाग के डिपो में नियमित रूप से लकड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी परिवार को इस तरह की परेशानी न झेलनी पड़े। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस चेतावनी को कितना गंभीरता से लेता है और दोषियों पर क्या कार्यवाही होती है।

# रात रात जाग कर कई गांव के ग्रामीण हाथियों से कर रहे अपनी सुरक्षा

### 110 दिनों से तीन हाथी, 10 दिनों से एक हाथी में अनूपपुर एवं जैतहरी के जंगलों में डाला डेरा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले में छत्तीसगढ़ के प्रवासी हाथियों ने अपना रहवास क्षेत्र बना लिया है जिसमें 110 दिनों से तीन हाथियों ने जिले में निरंतर डेरा डाला है वही एक अकेला हाथी 10 दिनों से दिन के समय जंगलों में ठहरकर रात होते हैं ग्रामीणों की संपत्तियों का नुकसान कर रहे हैं हाथियों के रात के समय ग्रामीणों के संपत्तियों के नुकसान करने के कारण दो भागों में बटे चार हाथियों से प्रभावित अनेकों ग्रामों के ग्रामीण रात रात भर जाग कर अपनी संपत्तियों की सुरक्षा के साथ हाथियों को अपने इलाके से खदेड़ते रहने को मजबूर दिखते हैं। चार हाथियों का समूह तीन एवं एक की संख्या में निरंतर अनूपपुर जिले के अनूपपुर, जैतहरी इलाके में विचरण कर रहे हैं जिसमें से तीन हाथियों का समूह विगत 116 दिन पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही की सीमा को पार कर अनूपपुर जिले में प्रवेश कर एक दिन शहडोल जिले के बुढार 5 दिन डिंडौरी जिले में विचरण करने करते विगत 110 दिनों से अनूपपुर जिले के जैतहरी, अनूपपुर अहिरगवां एवं राजेंद्रग्राम इलाके में विचरण करते फिर से जैतहरी इलाके में विचरण कर रहे हैं वही एक अकेला हाथी 10 दिनों से निरंतर जैतहरी से अनूपपुर इलाके में आकर विचरण कर रहा है। तीन हाथियों का समूह 13 अप्रैल की सुबह जैतहरी थाना, तहसील एवं वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत एवं वन बीट गोबरी के जंगल में दिन में ठहरने बाद देर शाम एवं रात को जंगल से निकल कर गोबरी पंचायत के गोबरार नाला, तिपान नदी पार करते हुए देर रात नगर परिषद जैतहरी के बंजारी टोला, बस स्टैंड से लहरपुर टकहुली, पचौहा, कुसुमहाई से ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई गांव से होते हुए धनगवां बीट के जंगल में दिन के समय विश्राम करने बाद देर शाम एवं रात होते ही जंगल से निकल कर ग्राम पंचायत कुकुरगोड़ा के बेल्हाटोला में जंगल के समीप छोट्टन कोल, गुलाब सिंह के घर में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रखे सामग्रियों को आहार बनाया, विगत रात ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई गांव के विभिन्न मोहल्लों में रामलाल राठौर, दिनेश राठौर, भूषण राठौर, रामनरेश राठौर के खेतों में लगे विभिन्न तरह की फसलो को खाते हुए वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण की सुरक्षा हेतु लगाए गए खम्बो एवं तार को तोड़कर नुकसान पहुंचाते हुए विगत चार दिनों से धनगवां बीट के आमापानी, बीहीडोंगरी, जनवरिहा, कोलारधार आदि जंगलों में दिन में विश्राम कर रहे हैं। एक अकेला हाथी जो 10 दिन पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को अपने तीन साथियों की तलाश कर साथ में रहने के उद्देश्य अनूपपुर जिले के इलाके में प्रवेश किया रहा विगत 10 दिनों से थाना, तहसील एवं वन परिक्षेत्र अनूपपुर के ग्राम पंचायत पोंड़ी, खांड़ा बरबसपुर एवं मझगवां के मध्य स्थित जंगल में दिन में ठहरते शाम एवं रात होते ही राष्ट्रीय राज्य मार्ग, अनूपपुर-जैतपुर मार्गो को पोंजी बांधा एवं भोलगढ के समीप से पार करते हुए जिला मुख्यालय अनूपपुर से 5 से 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्रामीण अंचलों में रात के समय ग्रामीणों की घरों में तोड़फोड़ कर खेत एवं वाडियों में लगे विभिन्न तरह की फसलों को खाकर दिन व्यतीत कर रहा है एक अकेले हाथी द्वारा विगत रात जंगल से निकल कर खांड़ा गांव के मौहारटोला निवासी छत्रपाल सिंह के बाडी में पहुंचकर विचरण करते देखे जाने पर ग्रामीणो द्वारा हो-हल्ला, आग जला कर खदेड़ कर जंगल की ओर भेजा वही दूसरे दिन रात को जंगल से निकल कर ग्राम पंचायत बरबसपुर के भोलगढ़ गांव के निवासी बारेलाल पिता फुल्ला पाव के घर में तोड़फोड़ कर घर तथा बांड़ी में लगे एवं रखें विभिन्न तरह की सामग्रियों को आहार बनाया और वहीं भोलगढ कि सोनटोला निवासी शंभू पिता कोदूलाल पटेल के खेत में रखे गेहूं की फसल, केमला पिता डोमारी सिंह के बांडी में लगे केला एवं गन्ना को दो रात में खाया गुरुवार की रात ग्राम चटुआ निवासी रामलाल पिता फगुना सिंह के जंगल के किनारे बने मिट्टी के घर को अचानक पहुंचकर तोड़फोड़ करते हुए घर के अंदर रख अरहर, चना एवं अन्य तरह की सामग्री को अपना आहार बनाया ग्रामीणों के हो-हल्ला एवं मशाल से खदेडे जाने पर जंगल से होते हुए ग्राम पंचायत खांडा के खोलगढी गांव निवासी गौटा पिता चिड्डू पाव के आंगन में पहुंचकर आंगन में रखे धान के कोढा से भरा एक बोरा उठाकर बाहर लाकर खाया एवं फैलाया इस दौरान रात 1 बजे खोलगढी के प्रभात पिता पूरन पाव के घर में अचानक पहुंचकर घर के आरसीसी सीट को तोड़ बांड़ी में लगे केला को खाया इस दौरान घर के अंदर एक वृद्ध हाथी के हमले से बाल-बाल बच पाया जिस परिजनों द्वारा उठाकर सुरक्षित स्थान पर रखते हुए हाथी को खदेड़े जाने पर शुक्रवार की सुबह दसवे दिन पोंडी बीट के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहा है। हाथियों की निरंतर विचरण एवं रात होते ही ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों के घरों एवं फसलों को नुकसान किए जाने से परेशान कई गांव के ग्रामीण रात-रात भर जाग कर अपने परिवार एवं अपने संपत्तियों की सुरक्षा कर रहे हैं जो अपने इलाके से हाथियों को भगाए जाने हेतु मशाल, हो-हल्ला एवं विभिन्न माध्यमों से हाथियों को अपने इलाके से दूर करते रहते हैं।

# 14 लोगों ने मौखिक दर्ज करवाया बयान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

बीते 4 अप्रैल को बस स्टैंड के सामने गहरी खुदाई किए जाने के कारण चार मंजिला लाज गिरने से मलबे में दबकर तीन लोगों की मौत एवं तीन अन्य के घायल होने के मामले में शुक्रवार को एसडीएम ऑफिस में न्यायिक जांच के आदेश पर पूरे दिन बयान एवं साक्ष्य हलचल बनी रही एसडीएम सतीश वर्मा एवं तहसीलदार दशरथ सिंह की उपस्थिति में जहां लिखित एवं मौखिक बयान का सिलसिला पूरे दिन बना रहा। मामले से जुड़े बयान जांच एवं साक्ष्य के रूप में न्यायालय के समक्ष 10 लोगों के द्वारा लिखित रूप से घटना से जुडी जानकारी संबंधी बयान दिए गए हैं। वहीं 14 लोगों के द्वारा उपस्थित होकर भी मौखिक रूप से अपने-अपने बयान दर्ज कराए गए हैं। मामले से जुड़ी फोटो वीडियो भी उपलब्ध कराई गई। कई दिन चली खुदाई एवं लाज में निर्माण कार्य के दौरान नपा के जिम्मेदारों द्वारा कोई कार्यवाही एवं नोटिस नहीं जारी कर सकी। घटना के बाद पूरे प्रदेश में हलचल मच गई। अभी तक जमीन स्वामी एवं लाज मालिक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। जबकि बिल्डिंग ऑफिसर एवं सहायक राजस्व अधिकारी को निलंबित किया जा चुका है।

#### इनका कहना है

लाज हदासे की मजिस्ट्रेटियल जांच के दौरान दस लोगों के द्वारा लिखित एवं 14 लोगों के द्वारा मौखिक बयान दर्ज करवाया गया है।

**सतीश वर्मा**
**एसडीएम कोतमा**

### जैतहरी की आस्था ने बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

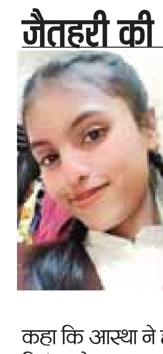

**हरिभूमि न्यज जैतहरी।** हौसलों में जान हो, तो मंजिल खुद-ब-खुद कदम चूमती है। इस कहावत को जैतहरी नगर की मेधावी छात्रा आस्था नामदेव ने चरितार्थ कर दिखाया है। आस्था ने कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 500 में 445 अंक प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता का सिर फक्र से ऊँचा किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। जैतहरी की रहने वाली आस्था, शाशकीय उत्कृष्ट माद्यमिक विद्यालय जैतहरी की छात्रा हैं। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर घर और मोहल्ले में जश्न का माहौल है। आस्था के पिता ओमप्रकाश नामदेव और माता पूजा नामदेव ने बेटी की इस कामयाबी पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आस्था ने हमेशा से ही अपनी पढ़ाई को प्राथमिकता दी और यह उसकी निरंतर मेहनत का ही मीठा फल है। विद्यालय के शिक्षकों के अनुसार, आस्था केवल पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि अन्य गतिविधियों में भी हमेशा अव्वल रही हैं।

**नाम परिवर्तन सूचना**

मैं बत्ती बाई आयु 60 वर्ष पति स्व. श्री लामू सिंह जाति गोड निवासी ग्राम लीलाटोला थाना करनपठार तहसील पुष्पराजगढ जिला-अनूपपुर म.प्र. की निवासी हूँ। मेरा आधार कार्ड क्रमांक-6134 7059 8089 है। मेरे नाम पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतदाता परिचय पत्र क्रमांक-WUW1745918 में मेरा नाम बत्ती बाई पति लामू सिंह लिखा हुआ है। मेरे आधार कार्ड क्रमांक-6134 7059 8089 में मेरा नाम बलि बाई (Bali Bai) पति लामू सिंह त्रुटि वश दर्ज किया जाकर जारी कर दिया गया है जो गलत है। यह कि उपरोक्त शपथ-पत्र राज्य आधार सेन्टर भोपाल म.प्र. के समक्ष प्रस्तुत किये जाने हेतु वास्तें मुझ शपथकर्ता के नाम पर जारी आधार कार्ड क्रमांक-6134 7059 8089 में मेरा नाम बलि बाई (Bali Bai) पति लामू सिंह के स्थान पर मेरा सही नाम बत्ती बाई (Batti Bai) पति लामू सिंह दर्ज कराकर सुधार कराये जाने हेतु उक्त शपथ पत्र निष्पादित कर रही हूँ।